अनुक्रमणिका

विवरण	पृ.सं.
मान्यता - प्रपत्र	3
• एआईयू का पत्र	4-6
• एनसीटीई का पत्र	7
• नैक मान्यता	8-9
• लोकपाल आदेश	10
विश्वविद्यालय: एक परिचय	
• प्रस्तावना:उद्देश्य एवं प्रमुख विशेषताएं	11
• शैक्षणिक कार्यक्रम, व्यावसायिक पाठ्यक्रम एवं विद्यार्थी सहायता सेवाएं	12
• विद्या वाचस्पति	13
• क्षेत्रीय सेवाएं प्रभाग	14-15
• अध्ययन पद्धति	16
परीक्षा पद्धति	
• विभिन्न कायक्रमों की सत्रीय / आंतरिक /गृह कार्यपद्धति	17
• सेमेस्टर परीक्षा	18
• ग्रेडिंग सिस्टम	19
• पुनः परीक्षा एवं परीक्षा सम्बन्धित अन्य नियम	21
• परीक्षा शुल्क	22-23
• छात्रवृत्तियां तथा शुल्क प्रतिपूर्ति	24
• आरक्षण	25
• प्रोत्साहन योजनाएं	25
• फीस वापसी नियम	26
स्टूडेंट वन व्यू	27-30
अकादमिक कालदर्शिका	31
विविध विद्यापीठ, संकाय सदस्य संबद्ध कार्यक्रम एवं अधिकारियों का विवरण	32-35
अकादमिक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी	
• **स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम-सूची एवं विस्तृत विवरण** (स्नातकोत्तर कोड/प्रवेश योग्यता/अवधि/शुल्क/पाठ्यक्रम संरचना/शैक्षणिक माध्यम)	36-80
• **स्नातक उपाधि कार्यक्रम-सूची एवं विस्तृत विवरणस्नातक हेतु प्रारम्भिक कार्यक्रम** (स्नातक कोड/प्रवेश योग्यता/अवधि/शुल्क/ पाठ्यक्रम संरचना/शैक्षणिक माध्यम)	81-108
• **डिप्लोमा कार्यक्रम/ऑनलाइनडिप्लोमा कार्यक्रम-सूची एवं विस्तृत विवरण** (डिप्लोमा कोड/प्रवेश योग्यता/अवधि/शुल्क/ पाठ्यक्रम संरचना/शैक्षणिक माध्यम)	109-118
• **प्रमाण पत्र कार्यक्रम-सूची एवं विस्तृत विवरण** (प्रमाण पत्र कोड/प्रवेश योग्यता/अवधि/शुल्क/ पाठ्यक्रम संरचना/शैक्षणिक माध्यम)	119-122
विद्यार्थियों की सहायता हेतु जानकारी	
•महत्वपूर्ण लिंक	123
•महत्वपूर्ण फोन नंबर एवं ई-मेल	123
•अधिकांशतः पूछे जाने वाले प्रश्न**(FAQ)**	124-126

नोट (Note) :

1. बी. एससी. अतिरिक्त विषय (गणित, भूगोल एवं अर्थशास्त्र के अतिरिक्त) में स्नातक की फीस रू. 14,200 होगी| यदि भूगोल विषय में अतिरिक्त की जावेगी तो उसकी फीस रू 5400 होगी। इसी तरह बी. एससी. में अतिरिक्त के लिए भूगोल विषय लेने पर भी फीस रू. 5400 होगी तथा बी.ए / बी.एससी. में गणित में अतिरिक्त की फीस रू. 6000 व अर्थशास्त्र में अतिरिक्त की फीस 4400 रू होगी। बी. एससी. एडिशनल जैव प्रौद्योगिकी, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, भूगोल, अर्थशास्त्र विषयों में संचालित है|
2. बी. ए. अतिरिक्त विषय (गणित एवं भूगोल के अतिरिक्त) में स्नातक की फीस 4400 रू होगी भूगोल विषय लेने पर भी फीस रू. 5400 होगी तथा बी.ए / बी.एससी. में गणित में अतिरिक्त की फीस रू. 6000 होगी| बी.ए. एडिशनल अर्थशास्त्र , शिक्षा, अंग्रेजी साहित्य, गांधी एवं शांति अध्ययन, भूगोल, हिन्दी साहित्य, इतिहास, पत्रकारिता एवं जनसंचार, गणित, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन ,राजस्थानी, संस्कृत, समाजशास्त्र, उर्दू, मनोविज्ञान विषयों में संचालित है|

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली के दो प्रमुख तत्त्व हैं-

(क) सत्रीय /आन्तरिक गृह कार्य
(ख) सत्रांत परीक्षा

(क) सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य (Internal/Home Assignment)/ प्रायोगिक (Practicals) / परियोजना (Project) / लघुशोध-प्रबन्ध (Dissertation) हल करने सम्बन्धित निर्देश-

यह परीक्षा का अभिन्न अंग है। स्मरण रहे कि जिन पाठयक्रमों में आन्तरिक गृह कार्य/ प्रायोगिक/प्रोजेक्ट/ लघुशोध प्रबन्ध का प्रावधान है, उन्हें समय पर नहीं जमा करने पर उक्त छात्र को विश्वविद्यालय द्वारा दिए जाने वाले गोल्ड मेडल, स्कॉलरशिप इत्यादि में सम्मिलित नहीं किया जाएगा तथा छात्र का परीक्षा परिणाम विलम्ब से घोषित होने हेतु छात्र स्वयं जिम्मेदार होगा। प्रायोगिक परीक्षाओं की तिथियों की जानकारी हेतु सम्बन्धित क्षेत्रीय केंद्र पर संपर्क करे अथवा विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vmou.ac.in पर देखें। **परियोजना (Project) एवं लघुशोध-प्रबन्ध (Dissertation) रजिस्टर्ड डाक अथवा स्पीड पोस्ट से परीक्षा नियंत्रक, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, रावतभाटा रोड, कोटा- 324021** के नाम भेजें।

- **15 मई** तक वे विद्यार्थी सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य (Internal Home Assignment)/ परियोजना (Project) / लघुशोध-प्रबन्ध (Dissertation) जमा करवा दें, जो जून में होने वाली परीक्षा में सम्मिलित होने जा रहे हैं|
- **15 नवम्बर** तक वे विद्यार्थी सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य (Internal Home Assignment)/ परियोजना (Project) / लघुशोध-प्रबन्ध (Dissertation) जमा करवा दें जो दिसम्बर में होने वाली परीक्षा में सम्मिलित होने जा रहे हैं|

(i) सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य (Internal Home Assignment) : जिन कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय द्वारा सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य(असाइनमेंट) प्रदान किये जाते हैं उन्हें विद्यार्थियों को अपने घर पर हल करके उपर्युक्त दिनांक तक विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र / अध्ययन केंद्र के कार्यालय में जमा करवाकर प्राप्ति-रसीद प्राप्त करनी होगी। असाइनमेंट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर स्टूडेंट वन व्यू से डाउनलोड किया जा सकता है। सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख का विवरण भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर स्टूडेंट वन व्यू पर देखा जा सकता है। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य के प्रथम पृष्ठ पर निम्नलिखित प्रारूप में सूचना भरें -

1. कार्यक्रम का नाम	2. सत्र	3. स्कॉलर संख्या
4. सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य संख्या	5. जमा करवाने का दिनांक	6. पाठ्यक्रम कोड
7. पाठ्यक्रम का नाम	8. छात्र का नाम	9. पिता का नाम
10. पत्र व्यवहार का पता	11. अध्ययन केन्द्र का नाम	12. क्षेत्रीय केन्द्र का नाम

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम का एक सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य प्रस्तुत करना है। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य करने के लिए आप A-4 साइज के पृष्ठ पर स्वयं की हस्तलिपि और स्वयं के शब्दों में उत्तर लिखें। उक्त निर्देशों की अवहेलना करने पर विधार्थियों के विरुद्ध कार्यवाही की जा सकती है। ***स्नातकोत्तर कक्षाओं में 20 प्रतिशत तथा स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए 30 प्रतिशत अंकों के आधार पर गृह कार्य किया जाएगा। इस हेतु संबंधित विषय का विवरण देखें***

(ii) प्रायोगिक (Practicals): प्रायोगिक से आशय ऐसे कार्य से है जो विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किसी प्रयोगशाला(Specific Lab) अथवा विशिष्ट अवधि से सम्बद्ध क्षेत्र कार्य(Field Work) से हो। **प्रायोगिक परीक्षा प्रणाली, प्रायोगिक शिविर के नियम इत्यादि को समय–समय पर परिवर्तित करने का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित हैं, जिसकी जानकारी समय–समय पर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दर्शाई जाती है । प्रायोगिक शिविर के स्थान के सम्बन्ध में पेज संख्या 173 पर FAQ का प्रश्न 15 देखें। सत्रांत प्रायोगिक परीक्षा में शामिल होने हेतु अनिवार्य प्रायोगिक सम्पर्क शिविर में 75% उपस्थिति आवश्यक है। इसके अभाव में आपको प्रायोगिक परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जायेगा। विश्वविद्यालय को अनिवार्य प्रायोगिक शिविर की समयावधि परिवर्तन करने का अधिकार है। विद्यार्थी प्रवेश से पूर्व यह भलीभांति विचार कर ले कि विश्वविद्यालय द्वारा समय—समय पर लिये गये प्रायोगिक संबंधित समस्त निर्णय उसे मान्य होंगे।विद्यार्थी के चिकनपाक्स, स्वाइन फ्लू कोरोना इत्यादि संक्रामक बीमारी की अवस्था में प्रायोगिक शिविर एवं प्रायोगिक परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।**

(iii) परियोजना (Project): परियोजना से आशय विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किसी विषय विशेष से सम्बद्ध सर्वे रिपोर्ट से है जो विद्यार्थी द्वारा जमा करवायी जाएगी। इससे विद्यार्थी के स्वानुभव तथा विषय विशेष से सम्बन्धित विश्लेषण क्षमता का ज्ञान हो पाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को निर्देशक (Supervisor) उपलंब्ध नहीं करवाया जाएगा। प्रोजेक्ट कार्य एक रिपोर्ट के रूप में जमा करवाना होगा।

(iv) लघुशोध-प्रबन्ध (Dissertation) : लघु शोध प्रबन्ध से आशय विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किसी विषय विशेष से सम्बद्ध शोध कार्य से है जो किसी शोध निर्देशक के निर्देशन में विद्यार्थी द्वारा जमा करवाया जाएगा। यह लिखित रिपोर्ट के रूप में होगा। इसमें विश्वविश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक तथा समय पर शोध प्रबन्ध पर आधारित एक मौखिक परीक्षा (Viva voice) भी होगी।

(v) निबन्ध (Essay) -जिस पाठ्यक्रम में निबन्ध का प्रावधान है उस पाठ्यक्रम की सत्रान्त परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई आंतरिक (गृह) कार्य नहीं दिया जायेगा। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड "अ" में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्यसामग्री में से कोई पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड "ब" में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से किसी एक शीर्षक पर 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबन्ध लिखने हैं। इसके अतिरिक्त आवश्यक निर्देश पाठ्यक्रम से संबंधित कार्यक्रम संरचना के साथ अंकित है।

(ख) सत्रांत परीक्षा (Term End Examination)

कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा सत्रांत (मुख्य) परीक्षा आयोजित की जाती है। जो कि सामान्य परिस्थितियों में जून की परीक्षा 1 जून और दिसम्बर की परीक्षा 21 दिसम्बर से प्रारम्भ होती है । विश्वविद्यालय द्वारा सामान्यतः वर्ष में दो बार जून एवं दिसम्बर माह में यह परीक्षाएँ आयोजित की जाती है। कार्यक्रम में प्रवेश के बाद प्रथम बार सत्रांत मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अलग से कोई फार्म नहीं भरना है। जिन विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है वे सभी न्यूनतम अवधि के बाद होने वाली परीक्षाओं में अवश्य बैठे इसके लिए कोई अलग शुल्क देय नहीं है। परीक्षा अनुमति पत्र (एडमिट कार्ड) विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vmou.ac.in से डाउनलोड करें। परीक्षा अनुमति पत्र विद्यार्थियों के घर नहीं भेजा जाएगा।

(1) परीक्षा परिणाम (Examination Result)

विश्वविद्यालय द्वारा सत्रांत (मुख्य) परीक्षा उपरान्त छात्र के परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ही जारी किये जाते हैं और इसे वेबसाइट मे स्टूडेंट वन व्यू (Students One View) मे भी देखा जा सकता है। बाएं कॉर्नर में दिए गए ड्रॉप डाउन से कार्यक्रम का चयन कर अलग-अलग सत्र के परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। रिमार्क कॉलम में SC: उत्तीर्ण (Successful), NC: अनुत्तीर्ण (Not Clear), G: ग्रेस (Grace), Ab: अनुपस्थित (Absent), आफ्टर रिवैल्यूएशन में रिवैल्यूएशन के बाद का परिणाम दर्शाया गया है ।

लुकअप टीआर में अन्तिम परीक्षा परिणाम जारी करने का सत्र तथा कार्यक्रमों का अंतिम परीक्षा परिणाम दर्शाया जाता है। विद्यार्थियों की अंकतालिका का प्रेषण विवरण जिसमे विद्यार्थियों के पते पर भेजी जाने वाली अंकतालिका का रजिस्टर्ड डाक/ ट्रैकिंग नंबर, भेजे जाने की दिनांक इत्यादि का विवरण दर्शाया जाता हैं। परीक्षा मे अनुतीर्ण विद्यार्थियों की मार्कशीट नहीं भेजी जाती है । स्टूडेंट वन व्यू (Students One View) की विस्तृत जानकारी के लिए पेज संख्या 26 देखें।

(2) सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक (Theoretical and Practical) परीक्षा केन्द्रों में परिवर्तन

सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परीक्षा केन्द्रों को बदलने का आवेदन ऑनलाइन ही स्वीकार्य होगा। **ऑफलाइन आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जायेगा**। इसकी विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देखी जा सकती है ।

- सैद्धांतिक परीक्षा के लिये परीक्षा केंद्र बदलने हेतु जून परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी को 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक एवं दिसम्बर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी को 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक ऑनलाइन स्वयं आवेदन करना होगा।
- प्रायोगिक परीक्षा के लिये परीक्षा केंद्र बदलने हेतु **जून परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी को 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक एवं दिसम्बर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी को 1अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक ऑनलाइन स्वयं** आवेदन **करना होगा।**

नोट : — उपर्युक्त तिथि के पश्चात किसी भी प्रकार का आवेदन स्वीकार्य नहीं होगा तथा उक्त तिथियों में यदि कोई परिवर्तन होगा तो विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सूचना जारी की जायेगी।

- प्रवेश सत्र जुलाई 2019 से B.Sc. कार्यक्रम (B.Sc. प्रथम वर्ष, B.Sc. लेटरल एन्ट्री द्वितीय वर्ष, B.Sc. लेटरल एन्ट्री तृतीय वर्ष, अतिरिक्त विषय में B.Sc.) में पहली बार VMOU में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रायोगिक विषयों भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति शास्त्र, प्राणीशास्त्र, जैवप्रौद्योगिकी के प्रायोगिक परीक्षा के डिफाल्टर फार्म नवम्बर माह में आरंभ किये जायेंगे। विस्तृत जानकारी के लिए इस विवरणिका में B.Sc. कार्यक्रम को देखें।
- प्रवेश सत्र जुलाई 2018 एवं जनवरी 2019 में B.Sc कार्यक्रम (B.Sc. प्रथम वर्ष, B.Sc. लेटरल एन्ट्री द्वितीय वर्ष, B.Sc. लेटरल एन्ट्री तृतीय वर्ष, अतिरिक्त विषय में B.Sc.) में पहली बार VMOU में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रायोगिक विषयों भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति शास्त्र, प्राणीशास्त्र, जैवप्रौद्योगिकी के प्रायोगिक परीक्षा के डिफाल्टर फार्म नवम्बर माह में आरंभ किये जायेंगे। विस्तृत जानकारी के लिए इस विवरणिका में B.Sc. कार्यक्रम को देखें।

(3) परीक्षा माध्यम (Medium of Examination)

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आंतरिक एवं सत्रांत परीक्षा के लिए यदि पाठ्यक्रम सामग्री हिन्दी में दी जाती है तब भी यहआवश्यक नहीं है कि परीक्षा माध्यम हिन्दी रखा जाये। आप चाहें तो पाठ्यक्रम सामग्री का माध्यम हिन्दी होने पर भी परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी चुन सकते है। इसी तरह यदि विश्वविद्यालय आपको अंग्रेजी में पाठ्यसामग्री उपलब्ध करवाता है तो भी परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा अंग्रेजी हो सकता है - भाषा के प्रश्न पत्रों को छोडकर उक्त व्यवस्था सभी पाठ्यक्रमों पर लागू है। बीबीए, पीजीडीसीएए एवं कम्प्यूटर विज्ञान के (बीए एवं बीएससी के अतिरिक्त) के प्रश्न पत्र अंग्रेजी भाषा में ही होंगे। विद्यार्थी परीक्षा में उत्तर देने के लिए हिन्दी या अंग्रेजी माध्यम का चयन कर सकते हैं।

(4) न्यूनतम निर्धारित उत्तीर्णांक

सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत मुख्य परीक्षा के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम के पूर्णांक नियत हैं जिनमें से परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विद्यार्थी को न्यूनतम निर्धारित अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य, सत्रांत मुख्य परीक्षा के प्राप्तांक एवं प्रायोगिक परीक्षा के प्राप्तांक अलग से प्रदर्शित किये जायेंगे। श्रेणी की गणना दोनों के प्राप्तांकों के आधार पर ग्रेडिग नियम से की जाएगी। विश्वविद्यालय द्वारा उन्ही विद्यार्थियों की अंकतालिका जारी की जायेगी जो परीक्षा सम्बन्धित सभी घटकों (Components) को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर लेंगे।

पाठ्यक्रम परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए सभी पाठ्यक्रमों के सभी घटकों (आंतरिक गृहकार्य, प्रायोगिक तथा सत्रांत परीक्षा के अलग अलग 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे। सभी तत्वों में अलग अलग 20 प्रतिशत तथा सभी घटकों (Components) को मिलाकर 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है।

सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी	-	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	-	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	-	36% एवं 48% से कम

(5) सफल विद्यार्थियों का ग्रेडिंग सिस्टम

सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार ग्रेड प्रदान की जाएगी

(अ) क्रेडिट वाले पाठ्यक्रमों के लिए (For Credit Course):

न्यूनतम 36% वाले पाठयक्रमों के लिए (For Courses with minimum 36% Marks)

Letter Grade Chart for Calculating CGPA/YGPA

लेटर ग्रेड Letter Grade		ग्रेड प्वाइंट Grade Point	समग्र समतुल्य अंक M (100 अंकों में से) Equivalent overall Marks M (out of hundred)
O	Outstanding	10	$90 \leq M \leq 100$
A+	Excellent	9	$80 \leq M < 90$
A	Very Good	8	$70 \leq M < 80$
B+	Good	7	$60 \leq M < 70$
B	Above Average	6	$55 \leq M < 60$
C+	Average	5.5	$50 \leq M < 55$
C	Below Average	5	$45 \leq M < 50$
D	Marginal	4.5	$40 \leq M < 45$
D	Pass	4	$36 \leq M < 40$
NC	Not Completed	0	$25 \leq M < 36$
E	Poor	0	$10 \leq M < 25$
H	Very Poor	0	$0 \leq M < 10$

यदि विद्यार्थी NC, E, H ग्रेड प्राप्त करता है तो उसे NC (Not Completed) माना जायेगा तथा उसे पुन: परीक्षा देनी होगी।

निम्नलिखित प्रकार से विद्यार्थी का वार्षिक ग्रेड प्वाइंट औसत (Yearly Grade Point Average (YGPA)) तथा संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (Cumulative Grade Point Average (CGPA)) की गणना की जायेगी।

YGPA हेतु विद्यार्थी द्वारा प्राप्त ग्रेड प्वाइंट को उस विषय के क्रेडिट अंक से गुणा करके योग को कुल ग्रेड प्वाइंट से भाग देने पर प्राप्त होगा अर्थात् $YGPA = \sum(C_i \times G_i) / \sum C_i$ जहां पर C_i क्रेडिट अंक हैं तथा G_i उस विषय में विद्यार्थी द्वारा प्राप्त ग्रेड प्वाइंट है।

10 Point स्केल पर CGPA की गणना निम्न सूत्र द्वारा की जायेगी

$$CGPA = \frac{\text{Cumulative points secured in all passed courses}}{\text{Cumulative earned credits}} = \sum(C_i \times G_i) / \sum C_i$$

YGPA तथा CGPA की गणना दशमलव के बाद दो अंकों तक की जायेगी।

जिन कार्यक्रमों की अवधि दो वर्ष से कम है उनमें केवल YGPA की गणना नहीं की जायेगी। किसी वर्ष का YGPA केवल तभी दिया जायेगा जब विद्यार्थी द्वारा उस वर्ष के पाठ्यक्रम के सभी घटकों को पूरा कर लिया जायेगा।

(ब) नॉन क्रेडिट वाले पाठ्यक्रमों के लिए (For Non - Credit Course):

नॉन क्रेडिट पाठ्यक्रमों में लेटर ग्रेड नहीं दी जायेगी, उसके स्थान पर विद्यार्थी को निम्नलिखित तालिका के अनुसार ग्रेड प्रदान की जायेगी तथा यह विद्यार्थी के YGPA/CGPA की गणना में प्रयोग नही की जायेगी

Letter Grade	
S	**S**atisfactory
U	**U**nsatisfactory

यदि विद्यार्थी नॉन क्रेडिट में उत्तीर्णांक के बराबर अथवा अधिक अंक प्राप्त करता है तो उसे S ग्रेड दी जायेगी। यदि विद्यार्थी उत्तीर्णांक से कम अंक प्राप्त करता है तो उसे U ग्रेड दी जायेगी। जिस पाठ्यक्रम में U ग्रेड प्राप्त होती है , विद्यार्थी को उस नॉन क्रेडिट पाठ्यक्रम की परीक्षा पुन: देनी होगा तथा उस कार्यक्रम को उत्तीर्ण करने के लिए उस कार्यक्रम के अन्तर्गत आने वाले नॉन क्रेडिट पाठ्यक्रम को भी उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

1. Assignment तथा Term end Examination के प्राप्तांकों के योग के आधार पर उस पाठ्यक्रम का कुल ग्रेड निर्धारित होगा।
2. निम्न कार्यकमों में ग्रेडिग सिस्टम नहीं होगा
   लेटरल प्रवेश कार्यक्रम, B.A. Additional, B.Sc Additional, CPRP तथा CPGM
3. यदि विद्यार्थी किसी पाठ्यक्रम में ग्रेस से उत्तीर्ण होता है तो उनके संगत लेटर ग्रेड D होगा।
4. सीजीपीए एवं प्रतिशत में समतुल्यता सूत्र विश्वविद्यालय प्रदान नहीं करेगा।
5. गोल्ड मेडल विश्वविद्यालय में विद्यमान प्रचलित नियम के आधार पर ही दिया जायेगा।

नोट — 1. ग्रेडिग संबंधित नियमों को समय-समय पर परिवर्तन करने का सर्वाधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित है।

2. प्रतिशत एवं श्रेणी के नियम प्रत्येक कार्यक्रम संरचना के अंत में दिये गये हैं

3. लेटर ग्रेड की गणना हेतु पृष्ठ संख्या 22 देखें।

प्रश्न-पत्र का पैटर्न : प्रश्न –पत्र का प्रारूप निर्धारित करने का सर्वाधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित रहेगा। इस हेतु समय समय पर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सूचना प्रदान की जायेगी । वर्तमान में प्रचलित प्रश्नपत्रों का प्रारूप प्रश्न बैंक के रूप में विद्यार्थी के वन व्यू में वेबसाइट पर उपलब्ध है।

नोट : परीक्षा सम्बन्धी नियमों में समस्त परिवर्तन करने का सर्वाधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित रहेगा।

परीक्षा संबंधी अन्य नियम/ व्यवस्थाएं (Rules of the University)

1. पुनः परीक्षा (Re-examination)

न्यूनतम अवधि समाप्त होने के बाद आयोजित सत्रांत मुख्य परीक्षा में यदि विद्यार्थी नहीं बैठ सका हो तो उसे पुनः परीक्षा हेतु अलग से ऑनलाइन डिफाल्टर फार्म भरना पड़ेगा। पुनः परीक्षा शुल्क स्नातकोत्तर हेतु रु० 300/- तथा स्नातक हेतु रु० 200/- प्रति प्रश्न पत्र देय होता है (शुल्क परिवर्तन का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित हैं)। पुनः परीक्षा आवेदन पत्र निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व निम्न तालिका के अनुसार ऑनलाइन आवेदन करें। **ऑफ लाइन परीक्षा आवेदन पत्र किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किये जायेंगे।**

पुनः परीक्षा (Re-Examination) हेतु डिफाल्टर फॉर्म की समय सरणी			
विद्यार्थी	**जून परीक्षा हेतु**	**दिसंबर परीक्षा हेतु**	**जमा करवाने का तरीका**
डिफाल्टर (सैद्धान्तिक) एवं प्रोजेक्ट/लघुशोध	1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक	1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक	**केवल ऑनलाइन माध्यम से * B.Sc. कार्यक्रम के विशिष्ट समयावधि सम्बन्धी नियम के लिए B.Sc. कार्यक्रम के अन्तर्गत विवरण देखें।**
डिफाल्टर (प्रायोगिक)	1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक	1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक	

विशेष निर्देश —

1. ऐसे डिफाल्टर विद्यार्थी जो सत्रान्त परीक्षा में प्रायोगिक के साथ सैद्धान्तिक /प्रोजेक्ट/लघुशोध परीक्षा में सम्मिलित होना एवं परीक्षा शहर में परिवर्तन भी चाहते हैं, ऐसे परीक्षार्थी सिर्फ एक बार ही ऑनलाईन परीक्षा फॉर्म जून परीक्षा हेतु 1 अप्रैल से 15 अप्रैल एवं दिसम्बर परीक्षा हेतु 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक ही भर सकते हैं।
2. आवेदन एवं परीक्षा शुल्क हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vmou.ac.in देखें।
3. प्रायोगिक परीक्षा की समय—सारणी हेतु डिफाल्टर विद्यार्थी संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र से सम्पर्क करें।

नोट - यदि विद्यार्थी ने नियम स्वीकृत दो पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले रखा है और परीक्षा समय सारणी में छात्र के दोनों पाठ्यक्रमों के प्रश्न पत्र एक ही दिनांक व समय पर हो तो छात्र के पास दोनों में से एक ही पाठ्यक्रम की परीक्षा देने का विकल्प होगा। दूसरे पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने हेतु उसे अगली परीक्षा के लिए पुनः निःशुल्क परीक्षा फॉर्म भी जमा करना होगा। परीक्षा फार्म के साथ परीक्षा अनुमति पत्र की प्रति संलग्न करना होगा।

2. पुनः मूल्यांकन (Revaluation) — परीक्षा में प्राप्त अंकों से यदि विद्यार्थी संतुष्ट नहीं हो तो वह पुनः मूल्यांकन हेतु आवेदन कर सकते है। इस हेतु विद्यार्थी का आवेदन केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किया जाएगा। पुनः मूल्यांकन का आवेदन परीक्षा परिणाम घोषित होने के 15 दिन के अन्दर करना आवश्यक है। पुनः मूल्यांकन के विस्तृत जानकारी विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देखें। पुनः मूल्यांकन के परिणाम का इंतजार किये बिना अनुत्तीर्ण छात्र निर्धारित अन्तिम तिथि तक डिफाल्टर फार्म भर सकता है।

3. अंक/श्रेणी सुधार (Improvement) — यदि विद्यार्थी उसके द्वारा पूर्व में दी गई परीक्षा में प्राप्त अंक/ श्रेणी को सुधारना चाहता है तो वह ऑफलाईन फार्म मय निर्धारित शुल्क जमा कर इस अवसर का लाभ उठा सकता है। अंक/श्रेणी सुधार के विस्तृत नियम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विद्यार्थी देख सकते है, अथवा वेबसाइट पर डाउनलोड एसेंशियल फॉर्म मे इम्प्रूवमेंट एग्जामिनेशन (Hyperlink) फॉर्म पर क्लिक कर डाउनलोड किया जा सकता है।